



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 428]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मार्च 12, 2009/फाल्गुन 21, 1930

No. 428]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 12, 2009/PHALGUNA 21, 1930

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मार्च, 2009

आय-कर

का.आ. 655(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन कर के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (पांचवां संशोधन) नियम, 2009 है ।
(2) ये 1 अप्रैल, 2009 से प्रवृत्त होंगे ।
2. आय-कर नियम, 1962 के नियम 67 में उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—
“(2) उप-नियम (2) में विनिर्दिष्ट विनिधान की रीति निम्नलिखित सारणी के अनुसार होगी, अर्थात् :—

सारणी

विनिधान की पद्धति

क्र. सं.	विनिधान	स्तंभ (2) में निर्दिष्ट मदों में विनिधान किए जाने वाली रकम की अधिकतम प्रतिशतता ।
(1)	(2)	(3)
(i)	(क) सरकारी प्रतिभूतियों में; (ख) प्रतिभूति सविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 2(ज) में यथा परिभाषित अन्य प्रतिभूतियां, जिनका मूल धन और उन पर ब्याज केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा पूर्ण रूप से और बिना शर्त के अनुदत्त की गई है, उनके सिवाय जो नीचे	पचपन प्रतिशत

	<p>(ii) (क) के अंतर्गत नहीं आते हैं ; और /या</p> <p>(ग) सरकारी प्रतिभूतियों में विनिधान और भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड द्वारा विनियमन के लिए समर्पित निधियों के रूप में स्थापित म्यूचुअल फंड की यूनिटें ।</p>	
(ii)	<p>(क) निगमित निकायों जिनके अंतर्गत बैंक और लोक वित्तीय संस्थाएं भी हैं, के द्वारा निर्गमित तीन वर्ष से अन्यून अवधि की परिपक्वता सहित ऋण प्रतिभूतियां ;</p> <p>(ख) अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा एक वर्ष से अन्यून अवधि की सावधि जमा प्राप्तियां जो निम्नलिखित सभी मापदंडों को पूरा करती हों:</p> <p>(i) इसने ठीक पूर्व पूर्ववर्ती वर्षों के लिए निरंतर लाभ प्राप्त किया है ;</p> <p>(ii) यह 9 प्रतिशत के अनुपात में जोखिम आस्तियों पर न्यूनतम पूंजी बनाए हुए है;</p> <p>(iii) इसकी शुद्ध अग्रिमों के दो प्रतिशत से अनधिक की शुद्ध आनिष्पादित आस्तियां हैं ; और</p> <p>(iv) इसकी न्यूनतम दो सौ करोड़ रुपए से अन्यून की शुद्ध पूंजी है ; और/या</p> <p>(ग) रुपये बांड जिनकी बकाया परिपक्वता कम से कम तीन वर्ष है जो अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक, अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम और एशियन विकास बैंक संस्थाओं द्वारा निर्गमित किए गए हैं ;</p>	चालीस प्रतिशत
(iii)	<p>धन बाजार लिखत जिनके अंतर्गत धन बाजार म्यूचुअल फंड की यूनिटें भी हैं ।</p>	पांच प्रतिशत
(iv)	<p>उन कंपनियों के शेयर जिनपर मुंबई स्टॉक एक्सचेंज या राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज में व्युत्पन्नी उपलब्ध हैं या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा विनियमित म्यूचुअल फंडों की इक्विटी संबद्ध योजनाएं ।</p>	पंद्रह प्रतिशत

परंतु एक अप्रैल, 2009 से पूर्व किए गए विनिधान की परिपक्वता पर प्राप्त किन्हीं धनराशियों में से आबद्धकर जावक घटाकर इस उपनियम में विनिर्दिष्ट विनिधान की रीति के अनुसार विनिहित की जाएंगी:

परंतु यह और कि इस उपनियम में विनिर्दिष्ट विनिधान पद्धति गत वर्ष के अंत तक प्राप्त की जा सकेगी; तथापि, किसी प्रवर्ग में विनिधान की वर्ष के दौरान किसी भी समय विहित सीमा के दस प्रतिशत से अधिक नहीं होगा:

परंतु यह भी कि उक्त सारणी के खंड (i) में कथित विनिधानों के समानुपात को ध्यान में रखे बिना उक्त खंड के उपखंड (ग) के अधीन किसी व्यक्ति म्युचुअल फंड के संबंध में जिसे सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के लिए समर्पित निधि के रूप में स्थापित किया गया है, किसी न्यास की अनाश्रयता किसी भी समय इसके कुल पोर्टफोलियों के पांच प्रतिशत से अधिक नहीं होगी:

परंतु यह और भी कि न्यासी उक्त सारणी के खंड (ii) के उपखंड (क) के अधीन विनिधानित रकम के कम से कम पचहत्तर प्रतिशत की रकम किसी ऐसे विनिधान में, जिनकी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, 1992 (1992 का 15) की धारा 12 की उपधारा (1क) के अधीन रजिस्ट्रीकृत कम से कम एक उधार रेटिंग अभिकरणों में से कोई विनिधान श्रेणीकृत है, विनिधान करेगा:

परंतु यह और भी कि इस उपनियम में वर्णित किसी लिखत की रेटिंग की दशा में जिसकी रेटिंग की जानी है और नीचे विनिधान श्रेणी के अंतर्गत उनकी रेटिंग आती है जिसे उक्त सारणी के स्तंभ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, 1992 (1992 का 15) की धारा 12 की उपधारा (1क) के अधीन रजिस्ट्रीकृत एक उधार रेटिंग अभिकरण द्वारा सत्यापित किया गया है, तब ऐसे लिखतों में निकासी से विकल्प का प्रयोग किया जा सकेगा और निगमित निधियां इस उपनियम की सारणी में उपबंधित रीति के अनुसार विनिहित की जाएंगी:

परंतु यह और भी कि आवर्त अनुपात, जो वर्ष में व्यापार की गई प्रतिभूतियों का मूल्य है जिसे वर्ष के आरंभ पर और वर्ष के अंत में पोर्टफोलियो के औसत मूल्य से विभाजित किया जाता है, दो से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण-1: इस उपनियम में विनिर्दिष्ट विनिधान की रीति, गत वर्ष में निधि के विनिधान योग्य धनराशि की कुल रकम को लागू होगी।

स्पष्टीकरण-2: इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए,-

- (i) “सरकारी प्रतिभूतियां” पद का वही अर्थ है जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 2 के खंड (ग) में है;

- (ii) “लोक वित्तीय संस्था” पद का वही अर्थ है जो कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 4क में है;
- (iii) “पब्लिक सेक्टर कंपनी” पद का वही अर्थ है जो आयकर अधिनियम, की धारा 2, के खंड 36 (क) में है;
- (iv) “पब्लिक सेक्टर बैंक” पद का वही अर्थ है जो आयकर अधिनियम की धारा 10 के खंड 23(घ) में है; और
- (v) “प्रतिभूतियां” पद का वही अर्थ है जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, की धारा 2 के खंड (ज)में है ।

[अधिसूचना सं. 24/2009/फा. सं. 142/13/2008-टीपीएल]

मनीष सरीन, अवर सचिव

टिप्पण :— मूल नियम अधिसूचना सं. का.आ. 969 तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और जिनका समय-समय पर संशोधन किया गया था, अंतिम संशोधन का.आ. 220(अ) तारीख 21-1-2009 द्वारा किया गया ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th March, 2009

INCOME-TAX

S.O. 655(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Fifth Amendment) Rules, 2009.
- (2) They shall come into force with effect from the first day of April, 2009.

2. In the Income-tax Rules, 1962, in rule 67, for sub-rule (2) the following shall be substituted, namely:-

“(2) The manner of investment referred to in sub-rule (1) shall be in accordance with the following Table, namely:-

TABLE
INVESTMENT PATTERN

Sl. No.	Investment	Maximum percentage amount to be invested in items referred to in column (2)
(1)	(2)	(3)
(i)	<p>(a) in Government securities;</p> <p>(b) Other securities, as defined in section 2(h) of the Securities Contract (Regulation) Act, 1956, the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government, or any State Government, except those covered under (ii) (a) below; and/or</p> <p>(c) units of mutual funds set up as dedicated funds for investment in Government securities and regulated by the Securities and Exchange Board of India.</p>	Fifty five per cent.
(ii)	<p>(a) Debt securities with maturity of not less than three years tenure issued by Bodies Corporate, including banks and public financial institutions;</p> <p>(b) Term Deposit Receipts of not less than one year duration issued by scheduled commercial banks fulfilling all the following criteria:</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) it has made profit continuously for immediately preceding three years; (ii) it is maintaining a minimum Capital to Risk Weighted Assets Ratio of 9 per cent.; (iii) it is having net non-performing assets of not more than 2 per cent. of the net advances; and (iv) it is having a minimum net worth of not less than rupees 200 crores; and/or <p>(c) Rupee Bonds having an outstanding maturity of at least three years issued by institutions of the International Bank for Reconstruction and Development, International Finance Corporation and the Asian Development Bank.</p>	Forty per cent.
(iii)	Money market instruments including units of money market mutual funds	Five per cent.
(iv)	Shares of companies on which derivatives are available in Bombay Stock Exchange or National Stock Exchange or equity linked schemes of mutual funds regulated by the Securities and Exchange Board of India.	Fifteen per cent.

Provided that any moneys received on the maturity of investments made prior to the 1st day of April, 2009, reduced by obligatory outgoings, shall be invested in accordance with the manner of investment specified in this sub rule:

१५० एम०९-२

Provided further that the investment pattern specified in this sub rule may be achieved by the end of the previous year; so however that at no time during the year investment in any category should exceed by more than ten per cent. of the limit prescribed:

Provided also that, irrespective of the proportion of investments stated in clauses (i) of the said Table, exposure of a trust to any individual mutual fund, under sub-clause (c) of the said clause, which has been set up as a dedicated fund for investment in Government securities, shall not exceed five per cent. of its total portfolio at any point of time:

Provided also that the trustees shall invest at least 75 per cent. of the amount invested under sub-clause (a) of clause (ii) of the said table in instruments having an investment grade rating from at least one credit rating agency registered under sub-section (1A) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992):

Provided also that in the event of the rating of any instruments mentioned in this sub-rule for being rated and their rating falling below the investment grade, as certified by one credit rating agencies registered under sub-section (1A) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), then the option of exit from such instruments can be exercised and the released funds shall be invested in accordance with the manner provided in the Table of this sub-rule:

Provided also that the turnover ratio, being the value of securities traded in the year divided by the average value of the portfolio at beginning of the year and the end of the year, should not exceed two.

Explanation 1.- The manner of investment specified in this sub-rule shall apply to the aggregate amount of investible moneys with the fund in the previous year.

Explanation 2.- For the purposes of this sub-rule,-

(i) the expression "Government securities" shall have the meaning assigned to in clause (b) of section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956;

(ii) the expression "public financial institutions" shall have the meaning assigned to it in section 4A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

(iii) the expression "public sector company" shall have the meaning assigned to it in clause (36A) of section 2 of the Income-tax Act;

- (iv) the expression “public sector bank” shall have the meaning assigned to it in clause (23D) of section 10 of the Income-tax Act; and
- (v) the expression “securities” shall have the meaning assigned to it in clause (h) of section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.”.

[Notification No. 24/2009/F. No. 142/13/2008-TPL]

MANISH SAREEN, Under Secy.

Note : The principle rules were published vide Notification No. SO 969 dated the 26th March, 1962 which has been amended from time to time, the last amendment being SO 220 (E) dated 21.01.2009.